प्रेषक,

शिव गोपाल सिंह,
संयुक्त सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

पुलिस महानिदेशक/महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2 लखनऊ दिनांक 28 जुलाई, 2025

विषयः- केन्दीय कारागार, बरेली में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी सर्वेश कुमार पुत्र श्री दयाराम, निवासी जनपद-हरदोई की फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक वरिष्ठ अधीक्षक, (मु0) कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के पत्र संख्या-705/प्रोवेशन-3-फार्म-ए/(एम-31.12.2024), दिनांक 07.01.2025 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- उक्त पत्र द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार केन्दीय कारागार, बरेली में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी सर्वेश कुमार पुत्र श्री दयाराम, लखनौर, थाना-पचदेवरा, जनपद-हरदोई का निवासी है। प्रथम केस में दिनांक 28.01.1993 को बन्दी ने अपने 06 अन्य सहअभियुक्तों के साथ मिलकर पुरानी रंजिश को लेकर बंदूक व रायफल से गोली मारकर सूरज पाल नामक व्यक्ति की हत्या कारित की गयी है। उक्त अपराध हेतु सत्र परीक्षण संख्या-755/2005 में भा0द0वि0 की धारा-147, 148, 302/149 के अन्तर्गत मा० न्यायालय, अपर सत्र न्यायाधीश/फास्ट ट्रैक कोर्ट संख्या-02 शाहजहांपुर के आदेश दिनांक 30.10.2007 द्वारा आजीवन कारावास से दण्डित किया गया। बंदी द्वारा दिनांक 23.12.2024 तक अपरिहार 19 वर्ष, 07 माह, 19 दिन तथा सपरिहार 25 वर्ष, 02 माह, 29 दिन की सजा भोग ली गयी है। द्वितीय केस में दिनांक 28.01.1993 को अभियुक्त ने अपने 08 अन्य सहअभियुक्तों के साथ मिलकर पुरानी रंजिश में 02 व्यक्तियों हत्या कारित की गयी है। उक्त अपराध हेतु सत्र परीक्षण संख्या-347/1993 में भा0द0वि0 की धारा-302/149, 323/149, 307/149, 148, 201 के अन्तर्गत मा० न्यायालय, अपर सत्र न्यायाधीश/फास्ट ट्रैक कोर्ट संख्या-07, हरदोई के आदेश दिनांक 11.02.2009 द्वारा आजीवन कारावास से दण्डित किया गया। बंदी द्वारा अपरिहार 23 वर्ष, 08 माह, 20 दिन तथा सपरिहार 28 वर्ष, 11 माह, 23 दिन की सजा पूरी कर ली है। जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट, हरदोई द्वारा बन्दी का अपराध समाज को व्यापक रूप से प्रभावित किये जाने वाला अपराध होने, बन्दी द्वारा भविष्य में अपराध करने का अवसर होने, पुनः अपराध करने में अशक्त नहीं होने, जेल में आगे निरूद्ध रखने का सार्थक प्रयोजन होने, बन्दी के परिवार की सामाजिक, आर्थिक दशा बंदी की समयपूर्व रिहाई हेतु उपयुक्त नहीं होने के दृष्टिगत बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है।

प्रोबेशन बोर्ड का अभिमत है कि बन्दी द्वारा 02 घटनाओं में 03 व्यक्तियों की हत्या के उपरान्त 02 आजीवन कारावास से दण्डित किया गया है, इससे प्रतीत होत्ता है कि बन्दी आपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति है एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है। प्रकरण से सम्बंधित ऐसा कोई तथ्य परिलक्षित नहीं है, जिसके आधार पर जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक तथा जिला मजिस्ट्रेट की आख्या/संस्तुति के प्रतिकूल अवधारणा बनाई जा सके। इस प्रकार बन्दी द्वारा किये, गये अपराध की गम्भीरता एवं जघन्यता के दृष्टिगत प्रिजनर्स रिलीज आन प्रोबेशन एक्ट-1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बंदी सर्वेश पुत्र श्री दयाराम को फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in

3- अतः उपरोक्त वर्णित तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि केन्दीय कारागार, बरेली में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी सर्वेश कुमार (बंदी संख्या-48820) पुत्र श्री दयाराम, निवासी जनपद-हरदोई के फार्म-ए/लाईसेंस पर यू0पी0 प्रिजनर्स रिलीज आंन प्रोबेशन एक्ट, 1938 की धारा-2 के प्राविधानों के अन्तर्गत सम्यक् विचारोपरान्त उसे मुक्ति का पात्र नहीं पाया गया है। अतएव उक्त बन्दी की लाइसेन्स पर मुक्ति राज्यपाल महोदया द्वारा अस्वीकार कर दी गयी है। तदनुसार उसके फार्म-ए/लाईसेंस पर शासन के आदेश अंकित करके एतद्द्वारा वापस लौटाया जा रहा है। कृपया प्राप्ति स्वीकार करते हुए शासन के निर्णय से बन्दी को तत्काल अवगत कराने का कष्ट करें।

संलग्नकः यथोपरि।

(बन्दी का फार्म-ए एवं समस्त पत्रादि सहित)

भवदीय,
सूर्य प्रकाश मिश्र
उप सचिव।

संख्या-883/2025/154(1)/22-2-2025 तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः-

1- जिला मजिस्ट्रेट, हरदोई।
2- वरिष्ठ अधीक्षक, केन्द्रीय कारागार, बरेली।
3- नोडल अधिकारी/अधीक्षक, जिला कारागार, गाजियाबाद को विशेष अनुज्ञा याचिका (क्रिमि0) संख्या-529/2021 सोनाधर बनाम छत्तीसगढ़ राज्य तथा सुओ मोटो रिट पिटीशन (क्रिमि0) संख्या-04/2021 पॉलिसी स्ट्रेट्जी फार ग्रान्ट ऑफ बेल में मा0 उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली द्वारा पारित आदेश दिनांक 10.09.2024 के सन्दर्भ में।
4- निजी सचिव, मा0 मंत्री, कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ0प्र0 शासन को मा0 मंत्री जी को सूचनार्थ।
5- निजी सचिव, मा0 राज्य मंत्री, कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ0प्र0 शासन को मा0 मंत्री जी को सूचनार्थ।
6- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
ममता श्रीवास्तव
अनु सचिव।

http://shasanadesh.up.gov.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

शासनादेश संख्या-883/2025/154/22-2-2025-17(149)/2025

दिनांक 28 जुलाई, 2025 का संलग्नक

सरकार के आदेश

केन्दीय कारागार, बरेली में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी सर्वेश कुमार पुत्र श्री दयाराम, लखनौर, थाना-पचदेवरा, जनपद-हरदोई का निवासी है। प्रथम केस में दिनांक 28.01.1993 को बन्दी ने अपने 06 अन्य सहअभियुक्तों के साथ मिलकर पुरानी रंजिश को लेकर बंदूक व रायफल से गोली मारकर सूरज पाल नामक व्यक्ति की हत्या कारित की गयी है। उक्त अपराध हेतु सत्र परीक्षण संख्या-755/2005 में भा0द0वि0 की धारा-147, 148, 302/149 के अन्तर्गत मा० न्यायालय, अपर सत्र न्यायाधीश/फास्ट ट्रैक कोर्ट संख्या-02 शाहजहांपुर के आदेश दिनांक 30.10.2007 द्वारा आजीवन कारावास से दण्डित किया गया। बंदी द्वारा दिनांक 23.12.2024 तक अपरिहार 19 वर्ष, 07 माह, 19 दिन तथा सपरिहार 25 वर्ष, 02 माह, 29 दिन की सजा भोग ली गयी है। द्वितीय केस में दिनांक 28.01.1993 को अभियुक्त ने अपने 08 अन्य सहअभियुक्तों के साथ मिलकर पुरानी रंजिश में 02 व्यक्तियों हत्या कारित की गयी है। उक्त अपराध हेतु सत्र परीक्षण संख्या-347/1993 में भा0द0वि0 की धारा-302/149, 323/149, 307/149, 148, 201 के अन्तर्गत मा० न्यायालय, अपर सत्र न्यायाधीश/फास्ट ट्रैक कोर्ट संख्या-07, हरदोई के आदेश दिनांक 11.02.2009 द्वारा आजीवन कारावास से दण्डित किया गया। बंदी द्वारा अपरिहार 23 वर्ष, 08 माह, 20 दिन तथा सपरिहार 28 वर्ष, 11 माह, 23 दिन की सजा पूरी कर ली है। जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट, हरदोई द्वारा बन्दी का अपराध समाज को व्यापक रूप से प्रभावित किये जाने वाला अपराध होने, बन्दी द्वारा भविष्य में अपराध करने का अवसर होने, पुनः अपराध करने में अशक्त नहीं होने, जेल में आगे निरूद्ध रखने का सार्थक प्रयोजन होने, बन्दी के परिवार की सामाजिक, आर्थिक दशा बंदी की समयपूर्व रिहाई हेतु उपयुक्त नहीं होने के दृष्टिगत बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है।

प्रोबेशन बोर्ड का अभिमत है कि बन्दी द्वारा 02 घटनाओं में 03 व्यक्तियों की हत्या के उपरान्त 02 आजीवन कारावास से दण्डित किया गया है, इससे प्रतीत होता है कि बन्दी आपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति है एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है। प्रकरण से सम्बंधित ऐसा कोई तथ्य परिलक्षित नहीं है, जिसके आधार पर जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक तथा जिला मजिस्ट्रेट की आख्या/संस्तुति के प्रतिकूल अवधारणा बनाई जा सके। इस प्रकार बन्दी द्वारा किये, गये अपराध की गम्भीरता एवं जघन्यता के दृष्टिगत प्रिजनर्स रिलीज आन प्रोबेशन एक्ट-1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बंदी सर्वेश पुत्र श्री दयाराम को फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है।

उक्त के दृष्टिगत सम्यक् विचारोपरान्त राज्यपाल महोदया द्वारा बंदी की फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर समयपूर्व रिहाई अस्वीकार कर दी गयी है।

सूर्य प्रकाश मिश्र
उप सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।